अध्याय- पंचम

शोध, सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

अध्याय- पंचम

शोध, सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

प्रस्तावना

शिक्षा का विकास समाज के द्वारा होता है। साथ ही शिक्षा समाज की संरचना को निश्चित स्वरूप भी प्रदान करती है। एक प्रभावशाली सामाजिक शक्ति के रूप में शिक्षा को दो महत्व पूर्ण कार्य करने होते है। सामाजिक समायोजन एवं सामाजिक परिवर्तन। प्रथम कार्य का सम्पादन शिक्षा सामाजिक सांस्कृतिक मूल्यो का संरक्षण करके करती है तथा द्वितीय कार्य ऐसी शक्तियो एवं विचारो को जन्म दे करके करती है जिनमें सामाजिक परिवर्तन की क्षमता हो।

सह शिक्षा एक ऐसी प्रणाली है जिसमें बालक एवं बालिकाओ को एक साथ शिक्षित किया जाता है। प्राचीन समय में यह प्रणाली केवल ग्रीस में थी। परंतु अब वर्तमान समय में यह प्रणाली देश के कई क्षेत्रो में लागू है। सह शिाक्षा के द्वारा बालक एवं बालिकाओं के बीच मैत्री पूर्ण व्यवहार हाता है। सह शिाक्षा सामजंस्य पूर्ण संबंध,सहयोग की भावना उत्पन्न करता है। और इस प्रकार राष्ट्र की प्रगति में मदद करता है ।

प्रस्तुत शोध नरसिंहपुर जिले के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा शासकीय सह शिक्षा विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं के सामाजिक समायोजन और शैक्षिक उपलब्धि के बीच किया गया। प्रस्तुत शोध में कक्षा ग्यारहवी की कुल 100 छात्राओं को शामिल किया गया। जिसमें कि 50-50 छात्राएँ दोनो विद्यालय से ली गई। शोध में प्रयुक्त चर सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि है। सामाजिक समायोजन स्तर को ज्ञात करने हेतु डॉ.आर.सी. देवा की सामाजिक समायोजन प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। शोध में 'टी'-मान तथा संहसंबंध का प्रयोग किया गया। शोध से प्राप्त परिणाम में यह देखा गया है कि शासकीय कन्या विद्यालय की छात्राओं की अपेक्षा शासकीय सह शिक्षा विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं का

सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि ज्यादा अच्छा है। तथा इसके बीच देखे गये सह संबंध में धनात्मक सह संबंध पाया गया। और देखा गया कि यदि छात्राओं का सामाजिक समायोजन जितना बेहतर होगा उनकी शैक्षिक उपलब्धि का स्तर भी उतना बेहतर होगा।

उद्देश्य :

शासकीय कन्या विद्यालय एवं सह शिक्षा विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं का सामाजिक समायोजन में अध्ययन करना।

परिकल्पना क्रमांक 1

शासकीय कन्या विद्यालय एवं शासकीय सह शिक्षा विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

निष्कर्ष

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय सह शिक्षा विद्यालय की बालिकाओं के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर पाया गया। तथा शासकीय कन्या विद्यालय की बालिकाओं की अपेक्षा शासकीय सह शिक्षा विद्यालय की बालिकाओं का सामाजिक समायोजन ज्यादा अच्छा है।

राय, गुप्ता और पुरी के द्वारा किये गये अलग-अलग शोध में कन्या विद्यालय एवं सह शिक्षा विद्यालय की छात्राओं की सामाजिक समायोजन का अलग अलग समस्याओं पर अध्ययन किया। जिसमें इनकी शोध के निष्कर्षो में पाया गया कि कन्या विद्यालय की छात्राओं की अपेक्षा सह शिक्षा विद्यालय की छात्राओं का सामाजिक समायोजन ज्यादा बेहतर है।

उद्देश्य :

शासकीय कन्या विद्यालय एवं सह शिक्षा विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

परिकल्पना क्रमांक 2

शाासकीय कन्या विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं एवं सह शिक्षा विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

निष्कर्ष :

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं सह शिक्षा विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया है। तथा शासकीय कन्या विद्यालय की बालिकाओं की अपेक्षा शासकीय सह शिक्षा विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि ज्यादा अच्छी है।

देवगन, श्रुति एवं श्री कला के द्वारा किये गये अलग-अलग शोध मे शैक्षिक उपलब्धि पर अध्ययन किया। जिसमें उन्होंने शैक्षिक उपलब्धि का अन्य समस्याओं के साथ कन्या विद्यालय एवं सह शिक्षा विद्यालयों के छात्र-छात्राओं पर शोध कार्य किया। इनके शोध निष्कर्ष में पाया गया कि कन्या विद्यालय की छात्राओं की अपेक्षा सह शिक्षा विद्यालय की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि ज्यादा अच्छी है। जैसा कि यह परिणाम मेरे उद्देश्य की दूसरी परिकल्पना के परिणाम से मिल रही है।

उद्देश्य :

छात्राओं का सामाजिक समायोजन और शैक्षिक उपलब्धि में सह संबंध का अध्ययन करना।

परिकल्पना क्रमांक 3

छात्राओं के सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सह संबंध नहीं है।

निष्कर्ष :

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं सह शिक्षा विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सह संबंध पाया गया है। यदि छात्राओं का सामाजिक समायोजन अच्छा होता है तो उनकी शैक्षिक उपलब्धि का स्तर भी बढ़ता है।

भावेश, महेश एवं सुभाष द्वारा किये गये शोध कार्य में शैक्षिक, अभिप्रेरणा और समायोजन का संबंध शैक्षिक उपलब्धि के साथ देखा गया। जिसमें इन सभी का संबंध शैक्षिक उपलब्धि के साथ है। जैसा कि यह परिणाम मेरे उद्देश्य की तीसरी परिकल्पना के परिणाम के साथ मिल रही है।

शैक्षिक निहितार्थ :

प्रस्तुत शोध के अध्ययन के बाद जो निष्कर्ष प्राप्त हुआ है उस निष्कर्ष में यह देखा गया कि कन्या विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं की अपेक्षा सह शिक्षा विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं का सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि का स्तर ज्यादा है। इसका कारण यह है कि छात्राएँ आसानी से अर्थात् बिना किसी झिझक के साथ ये छात्रों के साथ शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं। इसमें इनके अभिभावकों की सोच का भी योगदान है कि वे अपनी बालिकाओं को बालकों के साथ पढ़ानें में कोई भेद नहीं करते। इसके साथ ही सह शिक्षा विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं में स्वस्थ प्रतियोगिता होती है। अर्थात् वे सभी विद्यार्थी एक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हैं। इन छात्राओं का आत्मविश्वास भी बढ़ता है तथा समाज में जिस तरह से बालिकाओं को समझा जाता है जैसे – ये घर के कार्य तक सीमित है या आपको ज्यादा बाहर घूमने का अधिकार नहीं है। ऐसी कई प्रकार की सामाजिक रूढ़िवादिता बातों को नजरअंदाज करते हुए ये छात्राएँ अपना सामाजिक समायोजन आसानी से करतीं हैं तथा इन सभी कारणों से उनकी शैक्षिक उपलब्धि का स्तर भी बढ़ता है।

- शिक्षको को छात्राओं की समस्याओं को समझना चाहिए, उन्हे सामाजिक समायोजन के बारे में जानकारी देना चाहिए। विद्यालय में छात्र एवं छात्राओं के बीच प्रतियोगिताओं को रखना आवश्यक है।
- बालिकाओं और अभिभावकों के बीच उनका समायोजन अच्छा होना चाहिए। सामाजिक परिवेश के बारे में अभिभावकों को अपने बच्चों को जानकारी देना आवश्यक है।
- बालिकाओं के प्रति परिवार के सदस्यों के दृष्टिकोंण में परिवर्तन लाना आवश्यक है।
- बालिकाओं को परिवार, समाज व विद्यालय से सकारात्मक दिशा मिलनी चाहिए ताकि उनका सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि उच्च हो सके।
- बालिकाओं को शिक्षा के प्रति परिवार के सदस्यों द्वारा अभिप्रेरित करना आवश्यक है।
- बालक एवं बालिकाओं के अच्छे कार्य के लिए प्रशंसा व प्रोत्साहन देकर उन्हे अभिप्रेरित करना चाहिए। जिसमें उनमें सकारात्मक सोच तथा उचित दृष्टिकोंण का विकास हो सके।

भविष्य अध्ययन हेतु सुझाव :

बालिकाओं के सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ावा देने के लिए इस विषय पर आधारित शोध कार्य निरंतर किये जाने चाहिए, जिनके कुछ निम्न विषय हो सकते हैं

- न्यादर्श का आकार बढ़ा करके भविष्य में इस विषय पर शोध कार्य किया जा सकता है।
- शासकीय व अशासकीय विद्यालय में इस विषय पर तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
- इस विषय पर बालक एवं बालिकाओं के मध्य तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

- अनुसूचित जाति अनुसूचित जन जाति एवं अन्य पिछडा वर्ग के छात्र छात्राओ के बीच समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

सारांश :

मेरी शोध का विषय नरसिंहपुर जिले के शासकीय कन्या विद्यालय और शासकीय सह शिक्षा विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं का सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना है।

प्रस्तुत शोध नरसिंहपुर जिले के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा शासकीय सह शिक्षा विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं के सामाजिक समायोजन और शैक्षिक उपलब्धि के बीच किया गया। प्रस्तुत शोध में कक्षा ग्यारहवी की कुल 100 छात्राओं को शामिल किया गया। जिसमें कि 50-50 छात्राएँ दोनो विद्यालय से ली गई। शोध में प्रयुक्त चर सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि है। सामाजिक समायोजन स्तर को ज्ञात करने हेतु डॉ.आर.सी. देवा की सामाजिक समायोजन प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। शोध में 'टी'-मान तथा संहसंबंध का प्रयोग किया गया। शोध से प्राप्त परिणाम में यह देखा गया है कि शासकीय कन्या विद्यालय की छात्राओं की अपेक्षा शासकीय सह शिक्षा विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं का सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि ज्यादा अच्छा है। तथा इसके बीच देखे गये सह संबंध में धनात्मक सह संबंध पाया गया। और देखा गया कि यदि छात्राओं का सामाजिक समायोजन जितना बेहतर होगा उनकी शैक्षिक उपलब्धि का स्तर भी उतना बेहतर होगा।